Prime Minister shares Sanskrit Subhashitam highlighting the importance of prudence and thoughtful decision-making

प्रविष्टि तिथि: 16 JUN 2026 8:53AM by PIB Delhi

The Prime Minister, Shri Narendra Modi said that the doors to happiness and prosperity open through actions guided by patience, wisdom and foresight. He noted that every decision requires careful understanding, as success is built on steps taken with due thought and consideration.

The Prime Minister shared a Sanskrit Subhashitam-

“सहसा विदधीत न क्रियामविवेकः परमापदां पदम्।

वृणते हि विमृश्यकारिणं गुणलुब्धाः स्वयमेव सम्पदः॥”

The Subhashitam conveys that one should never undertake any task without thinking, for doing so without thinking can lead to great calamities. Conversely, success and prosperity automatically seek out and choose the person who thinks carefully.

The Prime Minister wrote on X;

“धैर्य, विवेक और दूरदर्शिता से किए गए कार्यों से ही सुख-समृद्धि के द्वार खुलते हैं। इसलिए हर निर्णय में पूरी समझदारी जरूरी है, क्योंकि सोच-समझकर उठाया गया कदम ही सफलता का आधार बनता है।

सहसा विदधीत न क्रियामविवेकः परमापदां पदम्।

वृणते हि विमृश्यकारिणं गुणलुब्धाः स्वयमेव सम्पदः॥”

> धैर्य, विवेक और दूरदर्शिता से किए गए कार्यों से ही सुख-समृद्धि के द्वार खुलते हैं। इसलिए हर निर्णय में पूरी समझदारी जरूरी है, क्योंकि सोच-समझकर उठाया गया कदम ही सफलता का आधार बनता है।
>
> सहसा विदधीत न क्रियामविवेकः परमापदां पदम्।
>
> वृणते हि विमृश्यकारिणं गुणलुब्धाः स्वयमेव सम्पदः॥ pic.twitter.com/X1DlFfR06j
>
> — Narendra Modi (@narendramodi) June 16, 2026

****

MJPS/SS/ST

(रिलीज़ आईडी: 2273332) आगंतुक पटल : 1766
इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: Urdu , Marathi , हिन्दी , Manipuri , Assamese , Bengali , Punjabi , Gujarati , Odia , Tamil , Telugu , Kannada , Malayalam